दैनिक जागरण 16 नवम्बर 2023
जागरण अर्थ

बाजार पर नजर

शेयर बाजार में आज

+742.06

65,675.93

Nifty 50 Top5 Gainers

Scrip	Close	%Change
Eicher Motors	3848.30	5.57%
Yes Bank	20.35	4.90%
Tech Mahindra	1173.75	3.75%
Hindalco	505.40	3.67%
Tata Motors	671.55	2.80%

Nifty 50 Top5 Losers

Scrip	Close	%Change
Bajaj Finance	7224.30	-1.86%
Zee Entertainment	248.20	-1.55%
Indusind Bank	1493.95	-1.04%
Power Grid Corpn.	210.15	-1.01%
Vedanta	240.10	-0.76%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
$ डॉलर	83.12
€ यूरो	90.40
¥ येन	55.18
£ पौंड	103.82

सुप्रीम कोर्ट के चाबुक का कंपनियों के प्रमोटर पर असर, बढ़ा निजी संपत्ति खोने का डर

जल्द मोटा बकाया चुकाने बैंक भाग सकते हैं प्रमोटर्स

नई दिल्ली, जेएनएन। बैंक का मोटा बकाया अभी तक नहीं चुकाने वाली कंपनियों के प्रमोटर्स पर सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का जोरदार असर देखने को मिल सकता है। इस फैसले के बाद इन प्रमोटर्स की निजी संपत्ति के खोने का जोखिम बढ़ गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि ऐसे प्रमोटर्स बैंक का मोटा बकाया भुगतान करना जल्द शुरू कर देंगे। खबर के मुताबिक, पहले बैंकों को प्रमोटरों द्वारा कंपनी की संपत्तियों को बेचकर अपना बकाया वसूलने के लिए कहा गया था, जो एक समय लेने वाली प्रक्रिया है। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले में कहा गया है कि बैंक प्रमोटरों की निजी संपत्तियों को बेचकर अपना बकाया तुरंत वसूल सकते हैं।

फैसले में कोर्ट ने दी ये व्यवस्था

खबर के मुताबिक, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अपनी निजी संपत्ति के नुकसान के डर से, दिवालिया कार्यवाही के तहत कंपनियों के प्रमोटरों को बैंकों के साथ अपने लंबित बकाया का निपटान करने की उम्मीद है। फैसले में कहा गया है कि, बैंक अब इन प्रमोटर्स की आवासीय संपत्तियों, शेयर और बॉन्ड, सोना और आभूषण जैसी निजी संपत्तियों को बेच सकते हैं। एक्सपर्ट का तो यह मानना है कि इस फैसले से ऐसे प्रमोटरों और निदेशकों को बकाया चुकाने के लिए स्वेच्छा से आगे आने के लिए मजबूर होना पड़ेगा, जिससे खराब ऋणों (बैड लोन) से वसूली को बढ़ावा मिलेगा।

हाई-प्रोफाइल मामलों पर असर

सुप्रीम कोर्ट की एक वरिष्ठ वकील के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने पिछले सप्ताह दिवाला समाधान प्रक्रिया में व्यक्तिगत गारंटरों पर दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) प्रावधानों की संवैधानिकता को बरकरार रखा, जिससे बैंकों को राहत मिली। इस फैसले का कई हाई-प्रोफाइल मामलों पर दूरगामी असर होना तय माना जा रहा है। बैंक अपना बकाया वसूलने के लिए अनिल अंबानी, वेणुगोपाल धूत, किशोर बियानी, कपिल और धीरज वाधवान जैसे कई हाई-प्रोफाइल नामों के साथ कानूनी लड़ाई में लगे हुए हैं।

1.64 खरब रुपये के कॉर्पोरेट लोन से जुड़े हैं 2,289 मामले

भारतीय दिवाला और दिवालियापन बोर्ड के मुताबिक, 1.64 खरब रुपये के कॉर्पोरेट लोन से जुड़ी व्यक्तिगत गारंटी से संबंधित 2,289 मामले राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण में दायर किए गए हैं। व्यक्तिगत गारंटर अब लेनदारों के साथ बातचीत और निपटान में शामिल होने के लिए अधिक मजबूर हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रमोटरों के पास ज्यादा ऑप्शन नहीं बचे हैं क्योंकि कोर्ट के फैसले ने इस मुद्दे से अस्पष्टता दूर कर दी है। इस फैसले से व्यक्तिगत गारंटरों और बैंकों के बीच तुरंत निपटान हो सकता है, क्योंकि यह कानूनी स्थिति को स्पष्ट करता है और गारंटरों को लंबी कानूनी लड़ाई शुरू करने से रोक सकता है जिससे बकाया कर्ज का समाधान होने में तेजी आ सकती है।

सेंसेक्स 742.06 अंक उछला, निवेशक को 3.5 लाख करोड़ रुपए का फायदा

भारतीय शेयर बाजार में ताबड़तोड़ खरीदारी

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को बड़ी खरीदारी देखने को मिली। बाजार के सभी सूचकांक हरे निशान में बंद हुए हैं। बीएसई सेंसेक्स 742.06 अंक बढ़कर 65,675.93 अंक और निफ्टी 231.90 अंक की बढ़त के साथ 19,675.45 अंक पर बंद हुआ। बाजार में स्मॉल कैप, मिड कैप के साथ लार्ज कैप शेयरों का दबदबा देखा गया। आज के कारोबारी सत्र में ऑटो, रियल्टी, आईटी और एनर्जी शेयरों में जबरदस्त बढ़त देखने को मिली। बड़ी बात यह थी कि आज के सत्र में किसी भी सेक्टर इंडेक्स पर दबाव नहीं देखा गया था।

सेंसेक्स के गेनर्स और लूजर्स

सेंसेक्स पैक में 30 में 27 शेयर हरे निशान में बंद हुए हैं। टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, इन्फोसिस, विप्रो, टाटा स्टील, टीसीएस, रिलायंस, एक्सिस बैंक, जेएसडब्लू स्टील, भारतीय एयरटेल, कोटक महिंद्र बैंक, आईटीसी, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक, टाइटन, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, एलएंडटी, बजाज फिनसर्व, मारुति सुजुकी, एचयूएल, सन फार्मा, एमएंडएम और नेस्ले के शेयर हरे निशान में बंद हुए हैं। हालांकि, बजाज फाइनेंस, इंडसइंड बैंक और पावर ग्रिड लाल निशान में बंद हुए हैं।

निवेशकों को तगड़ा मुनाफ

दिवाली के बाद की रैली ने निवेश को लगभग 3.3 लाख करोड़ रुपये फायदा हुआ। बीएसई-सूचीबद्ध शेयरों का कुल मार्केट कैपिटल बढ़ 325.41 लाख करोड़ रुपये हो गया। दें कि शेयर बाजार मंगलवार को प्रतिपदा के मौके पर बंद रहे थे। पहले, बीएसई सेंसेक्स सोमवार 325.58 अंक और निफ्टी 82 अंक आया था।

तेजी की वजह

दरअसल, अमेरिका में मुद्रास्फीति लेकर रिपोर्ट उत्साहजनक होने से बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा नीतिगत दर और वृद्धि नहीं करने की संभावना बढ़ी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खु मुद्रास्फीति अक्टूबर में चार माह के नि स्तर 4.87 प्रतिशत पर आ गयी। मुख्य से खाद्य वस्तुओं के दाम में नरमी महंगाई कम हुई है।

अक्टूबर में निर्यात 6.21 प्रतिशत बढ़कर 33.57 अरब डॉलर पर पहुंचा

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत का निर्यात इस साल अक्टूबर में 6.21 प्रतिशत बढ़कर 33.57 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2022 में यह 31.6 अरब अमेरिकी डॉलर था। समीक्षाधीन महीने में आयात भी 12.29 प्रतिशत बढ़कर 65.03 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जबकि अक्टूबर 2022 में यह 57.91 अरब अमेरिकी डॉलर था। देश का व्यापार घाटा अक्टूबर में 31.46 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में निर्यात सात प्रतिशत घटकर 244.89 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इन सात महीने में आयात 8.95 प्रतिशत घटकर 391.96 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि अक्टूबर में व्यापार संख्या वृद्धि के संकेत दर्शाती है।

रूस बना भारत का दूसरा सबसे बड़ा आयात स्रोत

वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कच्चे तेल और उर्वरक के उच्च शिपमेंट के कारण चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर की अवधि के दौरान रूस से भारत का आयात 64 प्रतिशत बढ़कर 36.27 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। आयात में हुए इस बढ़त के साथ रूस इस वित्तीय वर्ष के पहले सात महीनों के दौरान भारत का दूसरा सबसे बड़ा आयात स्रोत बन गया है। एक साल पहले की समान तिमाही में आयात 22.13 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। रूस-यूक्रेन युद्ध से पहले भारत की आयात हिस्सेदारी रूस के साथ 1 प्रतिशत से भी कम थी जो युद्ध के बाद 40 प्रतिशत से अधिक हो गई। आपको बता दें कि चीन और यूएस के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आया तक है।

आयात में 12.29 प्रतिशत का इजाफा, व्यापार घाटा अक्टूबर में 31.46 अरब डॉलर रहा

इन देशों से घटा आयात

आंकड़ो के मुताबिक अप्रैल से अक्टूबर के दौरान चीन से आयात मामूली रूप से घटकर 60.02 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया, जो एक साल पहले की अवधि में 60.26 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। इसके अलावा अमेरिका से आयात पिछले वर्ष के 29.56 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 16 प्रतिशत घटकर 24.89 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया। वहीं यूएई से आयात 21 प्रतिशत घटकर 24.91 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। इसके अलावा सऊदी अरब, इराक, इंडोनेशिया, सिंगापुर और कोरिया से आयात में भी गिरावट आई।

लक्ष्य से ज्यादा रहेगा डॉयरेक्ट टैक्स कलेक्शन

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन नितिन गुप्ता ने बुधवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में प्रत्यक्ष कर संग्रह 18.23 लाख करोड़ रुपये के लक्ष्य को पार कर जाएगा। गुप्ता ने यहां संवाददाताओं से कहा, हम बजट लक्ष्य से आगे रहेंगे। अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन अच्छा है। 15 दिसंबर तक अग्रिम कर के आंकड़े आने के बाद हम पूरे साल के लिये कर संग्रह को लेकर एक साफ तस्वीर प्राप्त कर सकेंगे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रत्यक्ष कर संग्रह एक अप्रैल से नौ नवंबर के बीच 22 प्रतिशत बढ़कर 10.60 लाख करोड़ रुपये रहा है।

स्प्रेकिंग एग्रो इक्विपमेंट को मिली राहत

जामनगर, जेएनएन। लीडिंग ब्रास मैन्युफैक्चरर स्प्रेकिंग एग्रो इक्विपमेंट लिमिटेड ने घोषणा की है कि उसे पिछले वर्षों की कॉटिंगेंट लायबिलिटी के संबंध में कस्टम, एक्साइज और सर्विस टैक्स की अपील के न्यायाधिकरण से 115.56 मिलियन रुपये का फाइनल ऑर्डर प्राप्त हुआ है। सेंट्रल एक्साइज डिपार्टमेंट ने कंपनी को वित्त वर्ष 2011-12 के लिए 115.56 मिलियन रुपये का नोटिस भेजा था। कंपनी इसी आरोप को लेकर विभाग से जूझ रही थी और 6 नवंबर, 2023 को सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण ने कंपनी के पक्ष में फैसला सुनाया, जिसके परिणामस्वरूप, कंपनी अब 115.56 मिलियन रुपये के लिए उत्तरदायी नहीं है।

यूफ्लेक्स लिमिटेड की बिक्री में इजाफा

मुंबई, जेएनएन। यूफ्लेक्स लिमिटेड की ब्याज, टैक्स और डेप्रिशिएशन पूर्व आय (एबिटडा) में 9.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 153.3 करोड़ रुपये से बढ़कर कंपनी का एबिटडा 168.1 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की बिक्री 8.9 प्रतिशत बढ़कर 64,232 मीट्रिक टन रही। कुल बिक्री 0.6 प्रतिशत बढ़कर 150,840 मीट्रिक टन रही। दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर कंपनी का राजस्व 1720.5 करोड़ रुपये से घटकर 1650.5 करोड़ रुपये पर आ गया। कंपनी का कर पश्चात लाभ (पीएटी) 42.7 प्रतिशत गिर गया। पिछले साल की समीक्षाधीन तिमाही के 36.5 करोड़ रुपये से घटकर पीएटी 20.9 करोड़ रुपये पर आ गया। कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू पिछले साल की समीक्षाधीन तिमाही के 3848.8 करोड़ रुपये से घटकर 3389.5 करोड़ रुपये पर आ गया।

यूको बैंक की पेमेंट सर्वि अस्थायी रूप से बंद

नई दिल्ली, जेएनएन। यूको बैंक कस्टमर्स को 15 नवंबर को टेक्निक गिलच का सामना करना पड़ रहा है। इ कारण कस्टमर्स इमीडिएट पेमेंट सर्विस माध्यम से लेनदेन नहीं कर पा रहे जिसके बाद बैंक आईएमपीएस के ज पेमेंट करने की सर्विस को अस्थायी रू बंद कर दिया है। बैंक की ऑफिशि वेबसाइट पर बताया गया है कि रखरख गतिविधि के कारण आईएमपीएस सु उपलब्ध नहीं है। मीडिया रिपोर्ट अनुसार, इस गिलच के कारण दूसरे के जरिए यूको बैंक में पेमेंट करने पर कट जा रहा है, लेकिन बैंक में क्रेडिट हो पा रहा है। बैंक ने कहा कि ह एहतियाती कदम उठा रहा है आईएमपीएस की सर्विस को रोक है। हम आईएमपीएस की सर्विस जल्द जल्द शुरू करने के लिए स्टेक होल्डर्स साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

देश/विदेश

2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है भारत : सीतारमण

भारत की जीडीपी 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करेगी

नई दिल्ली, जेएनएन। सीतारमण ने बुधवार को 'हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद' को संबोधित करते कहा कि वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इस साल भारत की आर्थिक वृद्धि दर सात प्रतिशत से थोड़ा कम रहने का अनुमान है। यह दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि इसलिए भारतीय अर्थव्यवस्था सही रास्ते पर है और उज्जवल भविष्य की ओर बढ़ रही है। सीतारमण ने कहा कि हिंद-प्रशांत को प्रभावित करने वाले समकालीन संघर्ष जैसे यूक्रेन युद्ध, इजराइल या यमन संकट और दक्षिण तथा पूर्व चीन सागर में जारी तनाव के कारण सप्लाई चेन में व्यवधान तथा आर्थिक अस्थिरता के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था 2027 तक जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है। उस समय भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 5,000 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर जाएगा। 2047 तक भारत एक विकसित अर्थव्यवस्था बनना चाहता है।

इंडिया-मिडिल ईस्ट कॉरिडोर को खतरा

भारत से मध्य पूर्व होते हुए यूरोपीय देशों को जोड़ने की महत्वाकांक्षी योजना इंडिया मिडिल-ईस्ट कॉरिडोर से इस समूचे क्षेत्र के देशों को फायदा होगा लेकिन इजरायल व गाजा में चल रहा तनाव से इसको खतरा भी है। इसी मंच से उन्होंने यह भी ऐलान किया कि वैश्विक मंच पर जहाजरानी उद्योग की बढ़ती अहमियत और देश के व्यापक रणनीतिक हितों को देखते हुए भारत अपनी शिपिंग बीमा कंपनी का गठन करेगा।

भारतीय ही होंगे इस कंपनी के प्रमोटर

यह कंपनी पूरी तरह से भारतीय होगी यानी इसके प्रवर्तक भारतीय होंगे व यह भारत से ही संचालित होगी। इस पर किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध का कोई असर नहीं होगा। वित्त मंत्री सीतारमण ने भारतीय इकोनमी की मजबूती के बारे में भी विस्तार से बताया और कहा कि वर्ष 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनमी बनने को तैयार है।

भारत की विकास दर 7 फीसदी से रहेगी नीचे

चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर सात फीसद से नीचे रहने वाली है। लेकिन यह प्रमुख देशों में आर्थिक विकास की सबसे तेज गति होगी। विपरीत वैश्विक हालातों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था एक सही राह पर है और एक सुखद भविष्य की तरफ बढ़ रही है। हाल के सप्लाई चेन आपूर्ति की बाधाओं, हिंद प्रशांत क्षेत्र में विवाद होने, यूक्रेन से लेकर इजरायल-गाजा में तनाव होने के बावजूद भारतीय इकोनमी पूरी दुनिया में एक चमकता सितारा बना हुआ है।

हिंद-प्रशांत दुनिया का आर्थिक रूप से गतिशील क्षेत्र

भारत की नीली अर्थव्यवस्था (समुद्री अर्थव्यवस्था) पर उन्होंने कहा कि यह सकल घरेलू उत्पाद का करीब चार प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि भारत में नौ राज्य तथा चार केंद्र शासित प्रदेश हैं, जो समुद्र तट पर स्थित हैं। 12 प्रमुख और 200 से अधिक गैर-प्रमुख बंदरगाह हैं। अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू व्यापार के लिए जलमार्गों का एक विशाल नेटवर्क है। अंकटाड के अनुसार, भारत 2020 में विकासशील देशों के बीच महासागर आधारित वस्तुओं तथा सेवाओं का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक था। सीतारमण ने इस बात पर जोर दिया कि हिंद-प्रशांत निस्संदेह दुनिया का सबसे आर्थिक रूप से गतिशील क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि इसमें वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 60 प्रतिशत और वैश्विक व्यापारिक व्यापार का करीब 50 प्रतिशत शामिल है।

सुरंग में फंसे मजदूरों को बचाएगी 'संकटमोचक' पावर ऑगर मशीन

पीएमओ ने दिल्ली से भिजवाया, तीन हरक्यूलिस विमानों से आया सामान

उत्तरकाशी, जेएनएन। चारधाम ऑल वेदर परियोजना की सिल्क्यारा सुरंग में पिछले चार दिनों से फंसे 40 श्रमिक जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। इन्हें सुरक्षित बचाने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी पहल की है। पीएमओ के निर्देश पर वायु सेना के तीन हरक्यूलिस विमान से हाई पावर ऑगर ड्रिलिंग मशीन नई दिल्ली से चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी पर पहुंचाई गई। चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी से 32 किलोमीटर दूर सिल्क्यारा तक ट्रेलर में पहुंचाने का कार्य गतिमान है। माना जा रहा है कि यह मशीन सुरंग में फंसे मजदूरों के लिए संकटमोचक साबित होगी।

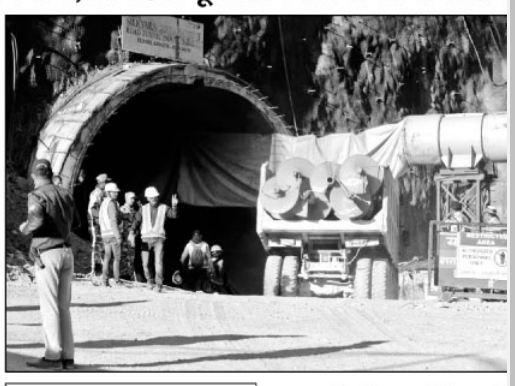

50 मीटर पाइपों की एस्केप टनल

एनएचआईडीसीएल के निदेशक अंशु मनीष खलको ने कहा कि जल्द ही हाई पावर ऑगर ड्रिलिंग मशीन स्थापित हो पाएगी। मशीन के संचालित होने पर करीब 50 मीटर पाइपों की एस्केप टनल तैयार हो पाएगी। इस मशीन के जरिए प्रति घंटे पांच मीटर मलबा को पार किया जा सकेगा। वहीं, सिल्क्यारा में सुरंग के बाहर परिजनों व श्रमिकों की सब्र का बांध भी टूटता दिखा। करीब दो घंटे तक हंगामा चलता रहा।

मंगलवार की रात खराब हो गई थी मशीन

मंगलवार की रात को सिल्क्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को निकालने के लिए ऑगर ड्रिलिंग मशीन का संचालन शुरू किया गया था। करीब तीन मीटर तक मलबा पार करने के बाद मशीन का एक कलपुर्जा खराब हुआ और खोज बचाव अभियान में बाधा उत्पन्न हुई। रात की प्रशासन ने इसकी रिपोर्ट शासन और पीएमओ को दी और हाई ड्रिलिंग मशीन की मांग की।

नॉर्वे और थाईलैंड की विशेषज्ञ टीमों की मद

अंशु मनीष खलको ने बताया कि पावर ड्रिलिंग मशीन नई तकनीक मशीन है। इस मशीन के जरिये उन्हें उम्मीद है कि एस्केप टनल तैयार जाएगी। इसके लिए प्लेटफार्म तै किया गया है। अंशी मनीष खलक बताया कि इंटरनेट मीडिया के ज नॉर्वे और थाईलैंड की विशेषज्ञ टीमों मदद ली जा रही है। जिन विशेषज्ञ थाईलैंड की गुफा में फंसे बच्चों बाहर निकालने में मदद की थी।

कैदियों के पास फोन मिलने पर तीन साल की जेल

नई दिल्ली, जेएनएन। गृह मंत्रालय ने जेल कानून में सुधार को लेकर नया ड्राफ्ट तैयार किया है। इसमें कई बड़े बदलाव किए गए हैं। इनमें कैदियों को जेल में फोन रखने पर तीन साल की सजा, नशे की लत वाले, पहली बार अपराध करने वाले, हाई रिस्क और विदेशी कैदियों को अलग रखने जैसे प्रावधान के सुझाव दिए गए हैं। वहीं, कैदियों को रिहा करने से पहले उसे ट्रैकिंग डिवाइस पहनना पड़ेगा, ताकि उसकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा सके।

पुराने कानूनों की समीक्षा के बाद निर्णय

केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला द्वारा यह पत्र मई में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजा गया था। इसे गृह मंत्रालय की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। इसके मुताबिक, गृह मंत्रालय ने कारागार अधिनियम, 1894 के साथ-साथ कैदी अधिनियम, 1900 और कैदियों का स्थानांतरण अधिनियम, 1950 की भी समीक्षा की है और इन अधिनियमों के प्रासंगिक प्रावधानों को भी मॉडल जेल अधिनियम,

तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाया जाएगा

ड्राफ्ट के मुताबिक, कैदियों की निगरानी के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। कैदी की नियमित तलाशी भी शामिल है, ताकि प्रतिबंधित वस्तुओं का इस्तेमाल रोका जा सके। अगर कैदी किसी भी तरह का उल्लंघन करता है, तो उसकी लीव और भविष्य में किसी भी तरह की लीव रद्द कर दी जाएगी। ड्राफ्ट में मोबाइल फोन और प्रतिबंधित सामग्री का इस्तेमाल करने पर सजा का सुझाव दिया गया है। इसमें कहा गया है कि जेल के कैदियों को जेलों में मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक संचार उपकरण रखने या उनका इस्तेमाल

भाई दूज के दिन से 6 माह के लिए बंद हुए केदारनाथ धाम के कपा

नई दिल्ली, जेएनएन। 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट 15 नवंबर को बंद कर दिए गए हैं। अब बाबा बर्फानी के दर्शन करने के लिए भक्तों को 6 महीने का इतंजार करना होगा। आज विधि-विधान के साथ समाधि पूजा के बाद गर्भ ग्रह को बंद कर दिया गया है। बाबा केदार के दर्शन करने के लिए यहां हर साल भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती हैं। इस मंदिर से भोलेनाथ के भक्तों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। वहीं आपको बता दें कि हर भाई दूज

केदारनाथ धाम के कपाट पूरे छह माह के लिए बंद कर दिए जाते हैं। इस दौरान भक्तगण बाबा केदारनाथ के दर्शन ऊखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर में कर सकते हैं। दरअसल, केदारनाथ मंदिर के कपाट बंद होने के बाद बाबा केदारनाथ की पंचमुखी डोली ऊखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर तक बड़े ही धूमधाम के साथ निकाली जाती है। इसके बाद अगले 6 महीने तक श्रद्धालु

भाई दूज के दिन ही इसलिए बंद होते हैं मंदिर के कपा

मालूम हो कि केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने और बंद होने की एक तिथि तय होती है। इसी तिथि में मंदिर के कपाट खोले और बंद किए जाते हैं। बाबा केदारनाथ धाम के कपाट भी हर भाई दूज यानी दिवाली के दो दिन बाद बंद कर दिए जाते हैं। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक, महाभारत युद्ध के बाद पांडव अपनी पत्नी द्रौपदी के साथ हिमालय पहुंचे जहां उ भगवान शिव के मंदिर का नि किया। इसके बाद उन्होंने यहीं अपने पितरों का तर्पण किया है। इ बाद ही उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति हुई। व हैं कि जिस दिन पांडवों ने अपने पू का तर्पण किया था वो भाई दूज क दिन था, इसलिए तब से इसी केदारनाथ के कपाट बंद होने लगे

केदारनाथ धाम के कपाट 2024 में इस दिन खोले जाएं

साल 2024 में केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को खुलेंगे। बता दें कि म के कपाट खुलने का फैसला पुजारियों द्वारा अक्षय तृतीया के दिन लिया ज है, जिसका ऐलान महाशिवरात्रि पावन अवसर पर की जाती है। इस साल